'एथनॉल प्रॉडक्शन बढ़ने से कम होगा चीनी का उत्पादन'

मौजूदा मार्केटिंग ईयर में 3.07 करोड़ टन शुगर प्रॉडक्शन होने का अनुमान

[पीटीआई | नई दिल्ली]

शुगर इंडस्ट्री बॉडी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने दूसरी बार मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2018-19 के लिए देश में शुगर प्रॉडक्शन का अनुमान घटाया है। उसने कहा है कि देश में 3.07 करोड़ टन शुगर प्रॉडक्शन होगा। उसके मुताबिक, एथनॉल बनाने के लिए शुगर प्रॉडक्शन का डायवर्जन होगा, जिससे उत्पादन में कमी आएगी। जुलाई 2018 में इस्मा ने मौजूदा मार्केटिंग ईयर के लिए ऑल टाइम हाई आउटपुट 3.50 करोड़ टन का अनुमान लगाया था, जबकि इसके एक साल पहले 2017-18 में 3.25 करोड़ टन शुगर प्रॉडक्शन हुआ था।

इस्मा ने पिछले साल अक्टूबर में फसल बर्बाद होने, बेमौसम बरसात और कई राज्यों में फसलों में कीड़ा लगने से इस आंकड़े को घटाकर 3.15 करोड़ टन कर दिया था। एक्सपोर्ट के मोर्चे पर इस्मा ने कहा कि जब तक कि सरकार सख्त कदम नहीं उठाती, तब तक 50 लाख टन के तय कोटा के उलट यह मौजूदा मार्केटिंग ईयर (अक्टूबर से सितंबर तक) में 30-35 लाख टन रहेगा। वहीं, दिसंबर 2018 तक गन्ना किसानों का मिलों पर ₹19,000 करोड़ बकाया था।

अनुमान में 2.53 पर्सेंट की कमी करते हुए इस्मा ने कहा कि मौजूदा मार्केटिंग ईयर में शुगर प्रॉडक्शन 3.07 करोड़ टन के करीब रह सकता है, जबकि इस साल शुगर से आमदनी ठीक-ठाक रह सकती है। इस्मा ने कहा कि 'बी' हेवी मोलासेस से एथनॉल बनाने में करीब 5 लाख टन गन्ना डायवर्ट किए जाने के अनुमान को देखते हुए प्रॉडक्शन का संशोधित एस्टिमेट दिया गया है।' मौजूदा मार्केटिंग ईयर में 15 जनवरी तक मिलों ने 1.468 करोड़ टन शुगर का प्रॉडक्शन किया था, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.355 करोड़ टन था। इस्मा ने कहा कि 15 जनवरी तक यूपी ने 41.9 लाख टन, महाराष्ट्र ने 57.2 लाख टन और कर्नाटक ने 26.7 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन किया था।

जुलाई 2018 में इस्मा ने मौजूदा मार्केटिंग ईयर के लिए 3.50 करोड़ टन के रिकॉर्ड प्रॉडक्शन का अनुमान लगाया था

इस्मा ने बताया, 'मिलों ने इस बार पेराई जल्दी शुरू की थी, इसलिए ऐसा हुआ है। हालांकि पिछले साल की तुलना में पूरे साल का प्रॉडक्शन कम रह सकता है।' रिवाइज्ड आंकड़ों के मुताबिक, इस बार उत्तर प्रदेश में शुगर का कुल प्रॉडक्शन 1.128 करोड़ रहेगा, जो पिछले साल 1.20 करोड़ टन था। इस बार दूसरे राज्यों में प्रॉडक्शन (तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, बिहार, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तराखंड) 62 लाख टन पर पहुंच सकता है, जो पिछले साल के मुकाबले 2,50,000 टन ज्यादा है।

इस्मा ने कहा कि शुगर एक्सपोर्ट के मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए लगता है कि इसका 50 लाख टन का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाएगा। यह 30-35 लाख टन रह सकता है। जब तक कि सरकार उन मिलों पर दबाव नहीं डालती या जुर्माना नहीं लगाती, जो तय कोटा के मुताबिक एक्सपोर्ट नहीं कर रहे हैं, तब तक इसमें सुधार की उम्मीद नहीं है। देश में सालाना 2.6 करोड़ टन शुगर की खपत होती है।

Economic Times
22/1/2019